संगीत नाटक अकादेमी
Sangeet Natak Akademi

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी, नई दिल्ली

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

की स्वायत्त संस्था

गोगा पीर लोकोत्सव

8–9 सितंबर 2017

मेघदूत थिएटर, कॉपरनिक्स मार्ग, नई दिल्ली

गोगा पीर

गोगाजी राजस्थान के लोक देवता हैं जिन्हे 'जाहरवीर गोगा जी' के नाम से भी जाना जाता है। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक शहर गोगामेड़ी है। यहां भादों शुक्लपक्ष की नवमी को गोगाजी देवता का मेला भरता है। इन्हें हिन्दू और मुसलमान दोनो पूजते हैं और मन्नत मांगने आते हैं।

कहा जाता है कि वीर गोगाजी गुरु गोरखनाथ के परम शिष्य थे। राजस्थान के छह सिद्धों में गोगाजी को समय की दृष्टि से प्रथम माना गया है। चौहान वंश के शासक जैबर (जेवरसिंह) की पत्नी बाछल के गर्भ से गुरु गोरखनाथ के वरदान से विक्रम संवत 1003 में भादो सुदी नवमी को चुरू जिले के ददरेवा गाँव में हुआ था। चौहान वंश में राजा पृथ्वीराज चौहान के बाद गोगाजी वीर और ख्याति प्राप्त राजा कहे जाते हैं। गोगाजी का राज्य सतलुज सें हांसी (हरियाणा) तक था। उनके जन्मस्थान ददरेवा में सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग माथा टेकने के लिए दूर–दूर से आते हैं। कायम खानी मुस्लिम समाज उनको जाहर पीर के नाम से पुकारता है। इस तरह यह स्थान हिंदू और मुस्लिम एकता का प्रतीक है।

लोकमान्यता व लोककथाओं के अनुसार गोगाजी को साँपों के देवता के रूप में भी पूजा जाता है। लोग उन्हें गोगाजी, गुग्गा, जाहिर वीर व जाहर पीर के नामों से पुकारते हैं।

तीर्थ यात्री ददरेवा आकर न केवल धोक आदि लगाते हैं बल्कि वहां अखाड़े (ग्रुप) में बैठकर गुरु गोरक्षनाथ व उनके शिष्य जाहरवीर गोगाजी की जीवनी के किस्से अपनी–अपनी भाषा में गाकर सुनाते हैं। प्रसंगानुसार जीवनी सुनाते समय वाद्ययंत्रों में डैरूं व कांसी का कचौला विशेष रूप से बजाया जाता है। वर्तमान दो–दिवसीय आयोजन गोगा पीर के इसी प्रदर्शनकारी कला पहलू को सामने लाने और इसके प्रलेखन द्वारा इसे सहेजने का एक विनम्र प्रयास है।

कार्यक्रम

शुक्रवार 8 सितंबर 2017

सुबह 11 बजे, मेघदूत थिएटर III

गोगा जन्म कथा
सीताराम एवं दल, हरदुआगंज, अलीगढ़

गोगा (जाहरपीर) का विवाह
लक्खी राम एवं दल, बठिंडा

दोपहर 3.30 बजे, मेघदूत थिएटर III

उरजन सुरजन संग्राम
धनपाल सिंह, भगत जी, पूजा जागरण मण्डल, बुलंदशहर

गोरखनाथ भजन एवं आरती
पंकज गुप्ता एवं दल, सखा वृंद, दिल्ली

शनिवार 9 सितंबर 2017

सुबह 11 बजे, मेघदूत थिएटर IV

नाथ संप्रदाय में गोगा
सुंदरलाल मालवीय एवं साथी, उज्जैन

गोगा समाधि गायन
केहरी सिंह व दल, अलवर, राजस्थान
सीमा शर्मा व दल, मंडी, हिमाचल प्रदेश

दोपहर 3.30 बजे, मेघदूत थिएटर III

नौटंकी *गोगा पीर का विवाह*
निर्देशन : खेमचंद यदुवंशी, ब्रज संस्कृति केंद्र, मथुरा

हिन्दी नाटक *बाबा बंतु*
निर्देशन : रवि तनेजा, कॉलेजिएट ड्रामा सोसाइटी, दिल्ली

प्रदर्शन स्थल पर मेला (सपेरे, मदारी इत्यादि), दोपहर प्रसाद स्वरूप भोजन

Live webcast: http://sangeetnatak.gov.in/sna/webcast.php

आमंत्रित गण कृपया कार्यक्रम प्रारम्भ होने से 15 मिनट पहले अपना स्थान ग्रहण कर लें।

सुरक्षा के कारण ब्रीफकेस, हैंडबैग, मोबाइल फोन, टेप रिकॉर्डर और कैमरा या अन्य किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु वर्जित है। कार्यक्रम की ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग करना वर्जित है।

कार्यक्रम परिवर्तनीय। पूछताछः 23387246 / 47 / 48

संगीत नाटक अकादेमी
Sangeet Natak Akademi
संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35 फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली–110001
दूरभाष : 23387246,23387247,23387248,23382495
फैक्स : 91-11-23382659
ई–मेल : mail@sangeetnatak.gov.in
वेबसाइट : http://sangeeetnatak.gov.in